om 1 Delhi Final 1_Page 1 and 2 18/03/2015 10:57 Page 11

ब्रह्माकुमारी संस्था समाज को नई दिशा दे रही है...

ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के सर्व मंत्रीमहोदय व विधायकगण शरीक हुए।

- डॉ. रमन सिंह

रायपुर। कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री माननीय डॉ. रमन सिंह। मंचासीन हैं गौरीशंकर अग्रवाल, टी.एस. सिंहदेव, ब्र.कु. ओमप्रकाश, ब्र.कु. मृत्यंजय, ब्र.कु. आशा,भिलाई तथा अन्य।

रायपुर। ब्रह्माकुमारी संस्था समाज को नई दिशा दे रही है। हमारी तपस्वी बहनें गाँव-गाँव में जाकर लोगों को जो ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा दे रही हैं, वह लोगों की नैतिक उन्नति में सहायक सिद्ध हो रहा है। उक्त उद्‌गार ब्रह्माकुमारीज़ के राजनीति प्रभाग द्वारा आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने व्यक्त किये।

उन्होंने कुछ वर्ष पूर्व की अपनी माउण्ट आबू यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि वह अत्यन्त अविस्मरणीय यात्रा थी। वहाँ तपस्वीमूर्त दादियों से मिलना और आध्यात्मिक ज्ञान तथा राजयोग की शिक्षा प्राप्त करना सबकुछ बहुत ही यादगार रहा। उन्होंने आगे कहा कि शान्ति सरोवर में समय-समय पर देश-विदेश के ख्यातिप्राप्त चिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, राजयोग विशेषज्ञों का आगमन होता रहता है जिससे छ.ग. के लोगों को अच्छा लाभ मिलता रहता है।

विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने कहा कि आज के भौतिक युग में शान्ति सरोवर शान्ति प्राप्त करने का बहुत ही अच्छा स्थान है। यहाँ आने से ही शान्ति और शक्ति की अनुभूति होती है। उन्होंने सभी विधायकों को यहाँ की शिक्षाओं से लाभ उठाने का आग्रह किया। नेता प्रतिपक्ष टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि इतने अच्छे और शान्त वातावरण में कुछ पल बिताने का अवसर मिला। राज्य का विकास हम सभी का दायित्व है। इसके लिए समय-समय पर हमें मार्गदर्शन मिलता रहे, यही ब्रह्माकुमारी संस्थान से अपेक्षा है।

क्षेत्रीय निदेशक ब्र.कु. ओमप्रकाश ने कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक विकास भी ज़रूरी है। इसके लिए ब्रह्माकुमारी संस्था छ.ग. में अपने सौ से भी अधिक सेवाकेन्द्रों के माध्यम से यह कार्य कर रही है।

संस्थान के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्यंजय ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान समय विश्व परिवर्तन का महत्वपूर्ण कार्य चल रहा है। परमात्मा हमें आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग की शिक्षा देकर हमारी कमी कमज़ोरियों को दूर करने का कार्य कर रहे हैं। इस पुण्य कार्य में हम सभी को मिल-जुलकर सहयोग करना है।

इस अवसर पर कृषि व जल संसाधन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, लोक निर्माण मंत्री राजेश मूणत, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती रमशिला साहू और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री पुन्नू लाल मोहिले सहित बड़ी संख्या में विधायकगण उपस्थित थे।

यूक्रेन-मॉस्को। आध्यात्मिक कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. सुधा तथा ब्र.कु. भाई बहनें।

सैफई-उ.प्र.। सैफई महोत्सव के अंतर्गत आयोजित आध्यात्मिक प्रदर्शनी के अवसर पर मुख्यमंत्री माननीय अखिलेश यादव को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. निधि। साथ हैं ब्र.कु. पूनम, ब्र.कु. दीप्ति तथा अन्य।

दिल्ली-करोल बाग। महाशिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. शुक्ला, ब्र.कु. बृजमोहन, स्वामी ब्रह्मदेव,त्रिनिदाद, विधायक सोमनाथ भारती, ब्र.कु. पुष्पा व ब्र.कु. लक्ष्मी।

सम्पूर्णता के लिए तीव्र पुरुषार्थ

मैं मास्टर पवित्रता का सूर्य हूँ।

सम्पूर्ण पवित्रता अर्थात् मन, वचन, कर्म, सम्बन्ध-सम्पर्क, स्वप्न में भी अपवित्रता का नाम-निशान न हो। ऐसी आत्माओं के चलन और चेहरे में स्पष्ट दिव्यता दिखाई देती है। उनके नयनों में रूहानी चमक, चेहरे में सदा हर्षितमुखता और चलन में, हर कदम में बाप समान कर्मयोगी होते हैं।

योगाभ्यास – रूहानी ड्रिल का अभ्यास। प्रथम दस मिनट - मैं सम्पूर्ण पवित्र आत्मा भृकुटी सिंहासन पर विराजमान हूँ.. मुझसे पवित्रता की श्वेत रश्मियां चारो ओर फैल रही हैं। द्वितीय दस मिनट - मैं लाईट के शरीर में ग्लोब के ऊपर स्थित हूँ... मेरे अंग-अंग से प्योर वायब्रेशन्स फैल रहे हैं.. मैं अपने फरिश्ते स्वरूप द्वारा पूरे ग्लोब को सकाश दे रहा हूँ...। तृतीय दस मिनट - मैं सम्पूर्ण पवित्र आत्मा, परमधाम में, मुझसे पवित्रता के वायब्रेशन्स पूरे ब्रह्माण्ड में फैल रहे हैं। चतुर्थ दस मिनट - मैं सम्पूर्ण पवित्र आत्मा पवित्रता के सूर्य की किरणों के नीचे स्थित हूँ..उनसे निकली हुई पवित्रता की सफेद किरणें निरंतर मुझ आत्मा पर बरस रही हैं..।

धारणा - सत्यता और पवित्रता - संगमयुग की श्रेष्ठ प्राप्ति है सत्यता और पवित्रता की शक्ति। सम्पूर्ण पवित्रता ही सत्यता की निशानी है। इस समय धारण की गई सम्पूर्ण पवित्रता से ही सतयुग में आत्मा और शरीर दोनों ही पवित्र होते हैं।

चिन्तन - पवित्रता व सत्यता की शक्ति नैचुरल नेचर के रूप में कहाँ तक बनी है, यदि नहीं तो क्यों? पवित्रता व सत्यता की शक्ति को नैचुरल नेचर कैसे बनाएं? सम्पूर्ण पवित्र आत्माओं की क्या निशानियां दिखाई देंगी?

स्वराज्य अधिकारियों के प्रति - समस्याएं व विघ्न आने का आधार विशेष मन है। इसलिए बापदादा का महामंत्र भी है - मनमनाभव। अगर स्वराज्य के मालिकपन का नशा सदा रहे तो यह बीच-बीच में जो समस्याएं व विघ्न आते हैं वह आ नहीं सकते। मन आपका कर्मचारी है राजा नहीं। राजा अर्थात् अधिकारी। तो नशा रहे - मैं मालिक राजा, इन कर्मेन्द्रियों का अधिकारी आत्मा हूँ। सर्वशक्तियां मेरे निजी गुण हैं। मुझ मा. सर्वशक्तिवान के आगे कोई भी समस्या या विघ्न आ नहीं सकता। अभी समस्या का नाम, विघ्न का नाम, हलचल का नाम, व्यर्थ संकल्प, व्यर्थ कर्म का नाम, व्यर्थ सम्बन्ध का नाम तथा व्यर्थ स्मृति का नाम समाप्त करो और कराओ।

स्वमान - मैं शुभ संकल्पधारी पवित्र आत्मा हूँ।

- पवित्रता ब्राह्मण जीवन का वरदान है। पवित्र संकल्प ब्राह्मणों की बुद्धि का भोजन है। पवित्र दृष्टि ब्राह्मणों के आँख की रोशनी है। पवित्र कर्म ब्राह्मण जीवन का विशेष धन्धा है। पवित्र सम्बन्ध और सम्पर्क ब्राह्मण जीवन की मर्यादा है। पवित्रता के आधार से ही ब्रह्मा बाबा 'आदि देव वा फर्स्ट प्रिंस' बने। तो फॉलो फादर।

2. योगाभ्यास -

शिव भगवानुवाच -

अ. मैं शुभ संकल्पधारी पवित्र आत्मा हूँ - सदा इस स्वमान में स्थित हो जाओ तो प्योरिटी की पर्सनैलिटी और अथॉरिटी का अनुभव होगा।

ब. आपका पहला वायदा है - और संग तोड़ एक संग जोड़ेंगे, तुम्हीं से खाऊँ, तुम्हीं से बैठूँ....., मेरा तो एक दूसरा न कोई। तो इस वायदे पर पूरा अटेन्शन रखना अर्थात् प्योरिटी की पर्सनैलिटी को धारण करना।

स. वरदाता बाप को कम्बाइन्ड रूप में अनुभव करो तो अपवित्रता स्वप्न में भी नहीं आ सकती।

द. तुम्हारा स्व-स्वरूप ही पवित्र है, स्वधर्म पवित्र है, स्व-देश पवित्र देश है, स्वराज्य पवित्र राज्य है।

3. धारणा - सम्पूर्ण पवित्रता

- पवित्रता ब्राह्मण जीवन की महानता है।
- पवित्रता ब्राह्मण जीवन का श्रेष्ठ श्रृंगार है।
- 21 जन्मों के प्रालब्ध का आधार पवित्रता है।- आत्मा और परमात्मा के मिलन का आधार पवित्रता है।
-संगमयुग की सर्व प्राप्तियों का आधार पवित्रता है।

4. चिंतन - सम्पूर्ण पवित्रता से बाबा का क्या अभिप्राय है?

सहायल-दिवियापुर(उ.प्र.)। कृषि रथ यात्रा का शुभारंभ करते हुए ब्र.कु. सरिता, ब्र.कु. राजेन्द्र प्रसाद, ब्र.कु. मंजू, ब्र.कु. मालती, ब्र.कु. मोना, ब्र.कु. प्रीति तथा अन्य।

सिरसा। 79वीं त्रिमूर्ति शिवजयन्ती कार्यक्रम में मंचासीन हैं जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुलदीप जैन, ब्र.कु. बिन्दू तथा ब्र.कु. ओमप्रकाश।

सोलन-हि.प्र.। एस.पी. छाजटा व श्रीमती छाजटा के साथ ज्ञानचर्चा के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. बबीता।